अनुक्रमांक / Roll No.

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें।
Candidate should write his/her Roll No. here

कुल प्रश्नों की संख्या : 08
Total No. of Questions : 08

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 05
No. of Printed Page : 05

M - 2021
PAPER - V

हिन्दी
26.03.2023

पूर्णांक : 200
Total Marks : 200

महत्वपूर्ण निर्देश
IMPORTANT NOTES

(अ) हिंदी व्याकरण / हिंदी निबंध के प्रश्न पत्र को छोड़कर अन्य सभी प्रश्नो का हिंदी अथवा अंग्रेजी में उत्तर लिखा जा सकता है।
Except Hindi Grammar / Hindi Essay question paper, all other question papers can be written either in Hindi or English language.

(ब) अभियर्थिओ को अपने उत्तर निर्धारित शब्दों की सीमा से अधिक नहीं लिखना चाहिए। इसका उल्लंघन करने पर अंक कटे जाएंगे। अभ्यर्थी लाइनों के अंदर ही लिखे। खली स्थान पर कृपया न लिखे।
The Candidates should not write the answer beyond the prescribed limit of word; failing which, marks will be deducted. Candidate should write answer within the given lines. Please do not write in the blank space.

(स) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर प्रश्नोत्तर पुस्तिका में निर्धारित स्थान पर ही लिखे। प्रश्नोत्तर पुस्तिका (रफ कार्य के पृष्ठ सहित) के अंदर किसी भाग पर अनुक्रमांक अन्य कोई नाम, पता, या अन्य कोई पहचान चिन्ह अंकित न करें।
Please write answers only in the prescribed space of booklet. Do not make any mark of identity inside the booklet (including rough paper page) like roll number, name, anyother name, address or such other mark.

(द) यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो तो प्रश्न के हिंदी तथा अंग्रेजी रूपांतरों में से हिंदी रूपांतर मान्य होगा।
If there is any short of ambiguity/ mistake ether of printing or of factual nature then out of Hindi and English version of the question, the Hindi Version will be treated as standard.

प्रश्न 1: इस प्रश्न में 25 अतिलघुत्तरीय प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 20–25 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है। (25x3=75)

1.1 अनुस्वार और अनुनासिक में अंतर बतायें ?

1.2 'मेवाती बोली' किस उपभाषा के अर्न्तगत आती है ?

1.3 विलोम शब्दों को कितने भागों में बांटा गया है ?

1.4 भाषा और वाक् में अंतर बतायें ?

1.5 जाति के आधार पर स्वरों का वर्गीकरण करें ।

1.6 शास्त्रीय भाषा क्या है ?

1.7 प्रेरणार्थक क्रिया किसे कहते हैं ?

1.8 प्रारूप लेखन की अवधारणा को स्पष्ट करें ?

1.9 कृत प्रत्यय व तद्धित प्रत्यय में अंतर बताइये ?

1.10 द्वन्द समास की परिभाषा व भेद बतायें ?

1.11 राजभाषा अधिनियम, 1976 का उल्लेख करें ?

1.12 कार्यलयीन संक्षेपण के प्रकार समझायें ?

1.13 करण कारक व अपादान कारक में अंतर बताये ?

1.14 योगरूढ़ शब्द किसे कहते हैं ?

1.15 विशेषण और विशेष्य में अंतर बताये ?

1.16 निविदा किसे कहते हैं ?

1.17 समापिका और असमापिका क्रिया में अंतर ?

1.18 पल्लवन को समझायें ?

1.19 समासरूढ़ शब्द किसे कहते है ? उदाहरण दीजिए ?

1.20. दीर्घ स्वर संधि और गुण स्वर संधि में अंतर बताये ?

1.21 भाषा से संबंधित संविधान संशोधनों का उल्लेख करें ?

1.22 प्राणत्व के आधार पर व्यंजनों का वर्गीकरण करें ?

1.23 नित्य पुलिंग क्या है ?

1.24 आपठित गद्यांश की विशेषताएं बताइए ?

1.25 अनुच्छेद– 351

प्रश्न 2: अलंकार से संबंधित प्रश्न (5x1 =5)

2.1 शब्दालंकार के भेद बतायें।

2. अनुप्रास के भेद के नाम बतायें।

3. वर्णों अथवा व्यंजनों की समानता जहां होती है। वहां कौन सा अलंकार होता है।

4. ''रघुपति राघव राजा राम।
पतित पावन सीताराम''।। में अलंकार बतायें।

5. श्लेष अलंकार के भेद बताऐं।

2.2 अर्थालंकार **(5x1 =5)**

1. उत्प्रेक्षा अलंकार के भेद बतायें।
2. उपमा किस प्रकार का अलंकार है।
3. ''बन शारदी चन्द्रिका–चादर ओढ़े।'' में अलंकार बतायें।
4. ''कल्पना सी अतिशय कोमल'' में अलंकार बतायें।
5. रूपक के भेद बतायें ।

प्रश्न 3.1 : निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 04 (चार) अंकों का है। (5x4=20)

1. अहिंसा और प्रेम से दुनिया को जीता जा सकता है।
2. संसार में प्रत्येक प्राणी के जीवन का उद्देश्य दुःख की निवृत्ती और सुख की प्राप्ति है।
3. यहां के प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई खुबी है।
4. किताबों के बिना कमरा बिना आत्मा के शरीर के समान है।
5. अगर आप सच कहते हैं, तो आपको कुछ भी याद रखने की जरूरत नहीं है।

प्रश्न 3.2 : निम्नलिखित वाक्यों का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है। (5x3=15)

1. They way to get started is to quit talking and begin doing.
2. Life is what happens when you are busy making other plans.
3. The future belongs to those who believe in the beauty of their dreams.
4. You will face many defeats in life, but never let yourself be defeated.
5. Life is trying things to see if they work.

प्रश्न 4: इस प्रश्न में हिन्दी व्याकरण से संबंधित प्रश्न है। (संधि, समास व विराम चिन्ह से संबंधित) प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। (10x2=20)

1. 'वार्तालाप' का संधि विच्छेद करें।
2. आयादि संधि के कोई दो उदाहरण दें।
3. 'रामायण' का संधि विच्छेद करें।
4. 'शै + अक' का संधि करें व संधि का नाम बताये।
5. 'यथार्थ' का समास विग्रह बतायें व समास का नाम बताये।
6. 'विद्याधर' का समास विग्रह करें।
7. लोप सूचक चिन्ह बताये।
8. अर्ध विराम का अर्थ क्या है।
9. 'महावीर' का समास विग्रह करें।
10. जिस समास में कोई पद प्रधान नहीं होता है। उस समास का नाम बतायें।

प्रश्न 5 : इस प्रश्न में प्रारंभिक व्याकरण शब्दावलियों व अन्य बिन्दु जो पाठ्यक्रम में दिए गए है। से संबंधित है। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का है। (10x2=20)

1. कोयले की दलाली में मुँह काला। मुहावरे का अर्थ बतायें।
2. आम के आम गुठलियों के दाम। मुहावरे का अर्थ बतायें।

3. अक्ल पर पत्थर पड़ना। मुहावरे का अर्थ बतायें।

4. परसर्ग क्या होता है।

5. दाल न गलना। इस कहावत का अर्थ बताये।

6. अपना उल्लू सीधा करना। इस कहावत का अर्थ बताये।

7. छठनी व महोदय का अंग्रेजी में अर्थ लिखें।

8. अभिजात के पर्यायवाची शब्द लिखियें।

9. वाक्यांश ''जैसा पहले कभी न हुआ हो'' के लिये एक शब्द बताये।

10. Ledger का हिन्दी अर्थ बतायें।

प्रश्न 6: निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश के आधार पर प्रश्नों का उत्तर दीजिए । अभ्यर्थी जिस गद्यांश का उत्तर लिख रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के प्रारंभ में करें। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है। (5x3=15)

मानव सभ्यता से अपनी बाह्य उन्नति करता है और संस्कृति से आन्तरिक । सभ्यता वह चीज है, जो हमारे पास है किन्तु संस्कृति वह गुण है जो हममें छिपा हुआ है। हमारे पास भौतिक वस्तुएँ होती हैं ये भौतिक वस्तुएँ हमारी सभ्यता के प्रमाण हैं, जबकि संस्कृति इतने स्थूल रूप में दिखाई नहीं देती, वह बहुत ही सूक्ष्म चीज है। वह हमारी प्रत्येक आदत और पसंद में निहित रहती है। मकान बनाना सभ्यता का काम है, लेकिन हम मकान का कौन सा नक्शा पसंद करते हैं, यह हमारी संस्कृति बतलाती है। मानव के भीतर छः विकार काम, क्रोध, मद, लोभ, मोह और मत्सर – प्रकृति प्रदत्त हैं। यदि ये विकार स्वतंत्र छोड़ दिए जाएँ तो मानव इतना गिर जाए कि उसमें और जानवर में कोई अन्तर न रह जाए, इसलिए मानव इन विकारों पर रोक लगाता है। इन विकारों पर जो मानव जितना अधिक काबू कर पाता है, उसकी संस्कृति उतनी ही ऊँची समझी जाती है। संस्कृति का मूल स्वभाव है कि वह आदान प्रदान से बढ़ती है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।
(ii) मानव सभ्यता से अपनी कौन सी उन्नति करता है ?
(iii) मानव के अंदर प्रकृति प्रदत्त कितने विकार हैं ?
(iv) मानव की मानवीयता किस बात में निहित है ?
(v) संस्कृति का मूल स्वभाव क्या है ?

अथवा

कला जगत के क्षेत्र में नाटक अत्यंत प्राचीन काल से ही सर्वाधिक मनोरम और आकर्षण कला का माध्यम माना जाता रहा है। नाटक के संदर्भ में सुकुमारता और कला – सूक्ष्मता का जो आयोजन होता है, वह आज भी उसे सर्वश्रेष्ठ कला बनाए रखने में सहायक सिद्ध हुआ है। नाटक का शिल्प–विधान और उसकी रचना की बारीकियाँ उसे एक अप्रतिम आकर्षण का विषय बना देती हैं। नाटक के परिप्रेक्ष्य में सबसे प्रमुख बात यह है कि इसका शिल्प एक सामूहिक विधान की तरह होता है जिसमें नाटककार के साथ–साथ निर्देशक तथा विभिन्न अभिनेताओं का भरपूर सहयोग प्राप्त होता है। इसके साथ–साथ इसमें दर्शक समूह भी अपना महत्त्वपूर्ण सहयोग प्रदान करता है। एक प्रकार से कहा जाए तो नाटक की मंच प्रस्तुति में इनकी भी अप्रत्यक्ष रूप से ही सही पर महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। इन सबके समवेत प्रयास से ही नाटक की प्रस्तुति संभव है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।
(ii) कला जगत के क्षेत्र में किस विधा को आकर्षक माना गया है ?
(iii) नाटक का शिल्प किस प्रकार का होता है ?
(iv) नाटक में दर्शक की भूमिका किस प्रकार होती है ?
(v) नाटक की प्रस्तुति किस प्रकार संभव है ?

प्रश्न 7: निम्नलिखित दी गई पंक्तियों में से किसी एक का भाव पल्लवन करें। प्रश्न दस अंकों का है। **(10x1=10)**

1. ''हिंसा से हिंसा बढ़ती है।''

   अथवा

   ''द्वेष तर्क और प्रमाण नहीं सुनता''।

प्रश्न 8 : किसी एक गद्यांश का एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए। अभ्यर्थी जिस गद्यांश का संक्षेपण कर रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के प्रारंभ में अनिवार्यतः करें प्रश्न 15 (पंद्रह) अंकों का है। **(1x15=15)**

मनुष्य की प्रकृति में शील और सात्विकता का आदि संस्थापक यही मनोविकार है । मनुष्य की सज्जनता या दुर्जनता अन्य प्राणियों के साथ उसके संबंध या संसर्ग द्वारा ही व्यक्त होती है। यदि कोई मनुष्य जन्म से ही किसी निर्जन स्थान में अपना निर्वाह करें तो उसका कोई कर्म सज्जनता या दुर्जनता की कोटि में नहीं आएगा । उसके सब कर्म निर्लिप्त होंगे। संसार में प्रत्येक प्राणी के जीवन का उद्देश्य दुख की निवृत्ति और सुख की प्राप्ति है । अतः सबके उद्देश्य को एक साथ जोड़ने से संसार का उद्देश्य सुख की स्थापना और दुख का निराकरण हुआ; अतः जिन कर्मों से संसार के उस उद्देश्य के साधन हों, वे उत्तम हैं ।

अथवा

संसार के श्रेष्ठ मनीषियों ने घोषणा की है कि मनुष्य एक है और इसीलिए मूल मानव धर्म भी एक ही है । यह इस युग की आवश्यकता नहीं है, किन्तु युग का अनुभूत सत्य है । पहले भी दीर्घ दृष्टि वाले मनीषियों ने इस बात को अपने–अपने ढंग से कहा था, परन्तु आज यह सत्य अधिक व्यापक होकर अनुभूत हुआ है । इसलिए विभिन्न राष्ट्रीय इकाइयों में पाई जाने वाली संस्कृतियों में और धार्मिक सम्प्रदायों के विश्वासों में समन्वय करने की चर्चा चल पड़ी है । समन्वय का अर्थ क्या है ? कुछ लोग धर्मों के नाम पर चलने वाले सभी ऊपरी आचारों को एक साथ जोड़ देने को समन्वय कहने लगे हैं मुझे समन्वय की यह नीति ठीक नहीं जँचती। समन्वय में तद्त धर्मों के उन मूल तत्त्वों पर ध्यान रखना आवश्यक है, जिनको केन्द्र करके इन बाह्य आचारों ने रूप ग्रहण किया है ।

KAUTILYA ACADEMY
INDORE